ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 26-07-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-07-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-07-27	2022-07-28	2022-07-29	2022-07-30	2022-07-31
वर्षा (मिमी)	10.0	25.0	55.0	60.0	30.0
अधिकतम तापमान(से.)	21.0	20.0	20.0	18.0	18.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	15.0	15.0	14.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	70	75	75	75
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	8.0	8.0	8.0
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है तथा वर्षा की सक्रियता 28 व 29 जुलाई को अधिक रहेगी। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 18.0 से 21.0 व 14.0 से 15.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-8.0 किमी/ घंटे की गति से पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। चेतावनी: 28 व 29 जुलाई को कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। ईआरएफएस के अनुसार, 31 जुलाई से 7 अगस्त के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम तथा अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) ओं और ऐप सेंटसें र (आईओएस उपयोगकर्ताओं) ओं से डाउनलोड किया जा सकता है| पशुओं को बारिश का पानी न पिलायें व खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें तथा रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। चेतावनी: 28 व 29 जुलाई को कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें |

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	पिछले माह बोई गई जेठी धान की फसल में निराई-गुड़ाई कर खरपतवार निकाल लें। वर्षा के पश्चात् अथवा मिट्टी में उपयुक्त नमी होने पर चेतकी/जेठी धान में 1.25 किग्रा यूरिया प्रति नाली की दर से टॉप-ड्रेसिंग करें।
मक्का	मक्का की फसल में अभी सिंचाई न करें व खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।
सोयाबीन	खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।
मूली	पर्वतीय क्षेत्रों में असिंचित दशा में मूली, राई, धनियाँ, शलजम एवं पालक की बुवाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जी पीईए	असिंचित मध्यम ऊंचें पर्वतीय क्षेत्रों में अगस्त मध्य में सब्जी मटर की बुवाई हेतु मटर की अगेती किस्मों के बीज की व्यवस्था करें। ध्यान रहें की बीज उपचारित हो।
गोभी	मैदानी क्षेत्रो में यदि गोभी वर्गीय सब्जियों की पौध तैयार हो गई हो तो इस सप्ताह में पौध प्रतिरोपण करें। मध्यम ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रो में बन्द गोभी, फूल गोभी, ब्रोकली एवं गांठ गोभी की अल्प अवधि में तैयार होने वाली किस्मों का चयन कर पौधशाला में बीज बुवाई करें।
टमाटर	पर्वतीय क्षेत्रो में टमाटर, बैंगन एवं शिमला मिर्च की फसल में बरसात के दौरान जल निकास की समुचित व्यवस्था रखें तथा समय-समय पर फलों की तुड़ाई करें।
मिर्च	किसान भाई खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें तथा रसायनों का छिड़काव अभी न करें।
सेम की फली	किसान भाई खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें तथा रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जुलाई एवं अगस्त महीना गाय/भैंसों की ब्याने का समय होता है अतः प्रसव प्रकोष्ठ को साफ-सुथरा करके इस्तेमाल हेतु तैयार रखें। प्रसव के तुरन्त बाद नवजात बच्चे की साफ-सफाई कर उसकी नाभी को धागे से बांधकर किसी साफ चाकू या ब्लेड से काटकर उस पर जैन्सन वायलेट पेन्ट अथवा टिंचर आयोडीन लगाना चाहिए। पशु को ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए।
बकरा	छोटे रोमन्थी पशुओं, जैसे भेड़, बकरी एवं नवजात गो वत्स को बरसात के दिनों मे भीगने से बचाना चाहिए ताकि उनको सर्दी/ जुकाम/न्यूमोनिया नामक बीमारी न हों।